

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 8894

Unique Paper Code : 12101401

IC

Name of the Paper : Text of Indian Philosophy

Name of the Course : B.A. (Hons.) Philosophy (CBCS)

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

**टिप्पणी** :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt *five* questions in all.

Question No. 7 is compulsory.

*All* questions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न संख्या 7 अनिवार्य है।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. Explain the characteristics of a valid cognition (samyag jnana).  
सम्यग ज्ञान के लक्षणों की व्याख्या कीजिये।
2. Explain Dharmakirti's definition of Perception. What is meant by "Pratyaksam Kalpana Podham" ?  
धर्मकीर्ति की प्रत्यक्ष परिभाषा की व्याख्या कीजिये। "प्रत्यक्षम कल्पना पोद्धम" से आप क्या समझते हैं ?
3. What is the significance of "arthakriyakaritva" in Dharmakirti's philosophy ? Explain.  
धर्मकीर्ति के दर्शनशास्त्र के अनुसार अर्थक्रियाकरित्व का क्या महत्व है ?
4. What are the different varieties of direct cognition ?  
प्रत्यक्ष ज्ञान के विभिन्न प्रकार क्या हैं ?
5. What is inference ? What is the result of inference ?  
अनुमान क्या है ? अनुमान का परिणाम क्या है ?
6. What are the *three* kinds of Logical marks ? Examine in detail the *three* aspects of a valid logical mark.  
हेतु के तीन प्रकार क्या हैं ? धर्मकीर्ति के अनुसार लिंग के तीनों रूपों की विस्तार से व्याख्या कीजिये।

7. Write short notes on any *two* of the following :

- (a) Svalaksana and Samanya-laksana
- (b) Abhramtam
- (c) Negation
- (d) Synthetic and Analytic Judgment.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

- (a) स्वलक्षण एवं सामान्य लक्षण
- (b) अभ्रानतम
- (c) अनुपलब्धि
- (d) संश्लेषणात्मक और विश्लेषणात्मक निर्णय।